प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 19 फरवरी, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज धनबाद स्थित 'पहला कदम दिव्यांग स्कूल' के बच्चों एवं विद्यालय परिवार से जुड़े सदस्यों से राज भवन में संवाद करते हुए कहा कि वे इस विद्यालय का भ्रमण एवं अवलोकन कर चुके हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगजन के सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उन्हें 'दिव्यांग' संबोधित किया गया, जो दिव्यांगजनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे दिव्यांगजनों के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएँ और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोग करें।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह संस्थान मात्र दो बच्चों के साथ प्रारंभ हुआ था और आज यह दिव्यांग बच्चों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्वावलंबी बनाने का कार्य कर रहा है। विद्यालय के

छात्र राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं।

इस अवसर पर बच्चों ने झारखंड के लोकगीत पर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा।

राज्यपाल महोदय ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दीं।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच का एक शिष्टमंडल संस्था के अध्यक्ष श्री बटेश्वर प्रसाद मेहता के नेतृत्व में राज भवन में भेंट की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय से राज्य के युवाओं में देशप्रेम की भावना को जागृत बनाए रखने एवं स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को संजोए रखने के उद्देश्य से हजारीबाग में स्वतंत्रता सेनानी म्यूजियम की स्थापना हेतु पहल करने का आग्रह किया।

---

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज चिक बड़ाईक समन्वय समिति, राँची का एक शिष्टमंडल राज भवन में भेंट की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय को अवगत कराया कि उनके खतियान में कहीं 'चिक' तो कहीं 'बड़ाइक' दर्ज है और कहीं-कहीं 'चिक बड़ाइक है। राज्य में 'चिक बड़ाइक' अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल है, जबकि तीनों एक ही हैं। इस विसंगति के कारण उनके खतियान में समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं और उनकी भूमि की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। समिति ने राज्यपाल महोदय से इस दिशा में आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।

राज्यपाल महोदय ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई हेतु निदेशित किया।

---

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड दिव्यांग आंदोलन संघ का एक शिष्टमंडल राज भवन में भेंट की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय से राज्य के दिव्यांगजन को 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के लाभुकों की भांति ही 2500 रुपये पेंशन राशि सुलभ कराने हेतु पहल करने का आग्रह किया।

---

(5) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, गुमला के चिकित्सा पदाधिकारी श्री राजेश कुमार शर्मा एवं अन्य ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय से राज्य के आयुष चिकित्सकों को एमबीबीएस चिकित्सकों के समतुल्य राशि प्रदान करने हेतु पहल करने का आग्रह किया।

---

(6) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज श्री सुनील पटनायक, Executive Vice President, Institutional & Government Banking Head (Jharkhand and Odisha) ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।

---

(7) माननीय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी से वॉलंटरी ब्लड डोनर एसोसिएशन, झारखण्ड की नवगठित राज्यस्तरीय समिति के प्रतिनिधियों ने आज राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए राज्य के सभी जिलों में इसकी इकाइयों की आवश्यकता की बात कही। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में संगठन की बोकारो, गिरिडीह, गोड्डा, खूँटी, पाकुड़, पलामू, साहेबगंज, सिमडेगा एवं पश्चिमी सिंहभूम जिले में इकाइयाँ नहीं हैं।

अपर मुख्य सचिव महोदय ने स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए समिति को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन सभी जिलों में स्थित महाविद्यालयों एवं सरकारी अस्पतालों से समन्वय स्थापित कर नियमित रक्तदान शिविरों का आयोजन करे, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि रक्तदान

एक पुनीत कार्य है, जो न केवल जरूरतमंदों की जान बचाता है, बल्कि समाज में मानवीय मूल्यों को भी सशक्त करता है।